Lkeh{kk

2010&2011

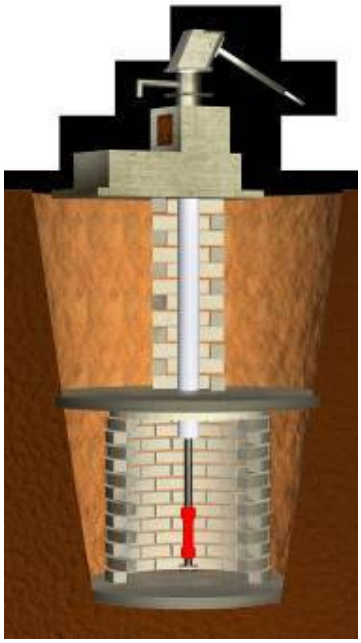

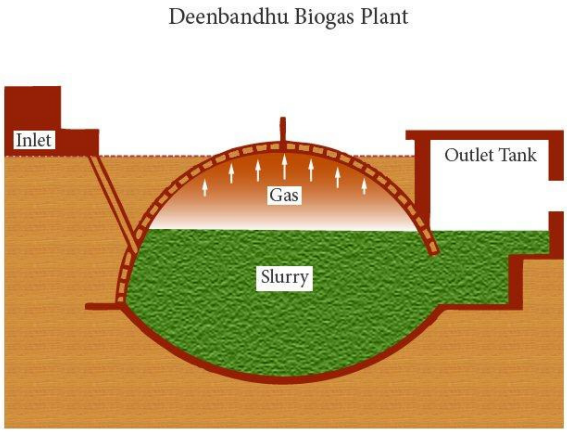

d|ekÅ| dkjhxj lfefr

xke & dkfydk]ikLV vkfQl &dkfydk] jkuh[kr] ftyk vYekMk] fiu &263 645
mRrjk[k.M]Qku u- % 05966 & 221516

ifjp;

कुमाऊँ कारीगर समिति ग्रामीण नवयुवकों का एक संगठन है। इसका पंजीकरण 6 अक्टूबर 2001 में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 A के अर्न्तगत किया गया हैं। बडे हर्ष का विषय हैं कि विकास के इस सफर में समिति ने आज अपने दस वर्ष पूरे किये हैं ।

सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में वैकल्पिक तकनीकि का महत्वर्पूण स्थान हैं। परन्तु प्रि ाक्षित एंव कु ाल कारीगरों की अव्यवस्था से उचित क्रियान्वयन न होने के कारण इसका लाभ ग्रामीण समुदायों तक नही पहुँच पाता हैं। इस सोच को मद्देनजर रखते हुये कु ाल कारीगरों की एक समिति का गठन करने का प्रयास *iku fgeky;u xkl:Vl MoyieV QkmUM ku* द्वारा किया गया और *dekÅ dkjhxj lfefr* का गठन हुआ।

वर्तमान में कुमाऊँ कारीगर समिति एक स्वावलम्बी स्वैच्छिक समिति के रूप में ग्रामीण समुदाय के साथ मिलकर ग्रामीण विकास कार्यक्रमों को क्रियान्वयन कर रही हैं। समिति का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उत्तराखण्ड राज्य है ।

समिति का मुख्य कार्यालय ग्राम /पोस्ट – कालिका, जिला – अल्मोड़ा में स्थित हैं। तथा अपने कार्यक्रमों के उचित संचालन एवं समन्वयन हेतु तीन अन्य क्षेत्रीय कार्यालय गरूड़, जिला बागे वर, सुनोली एवं डौयड़ाखाल जिला अल्मोडा, में स्थापित किये है। इन क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा समुदाय के साथ समन्वय से उपयुक्त तकनीकि का प्रचार-प्रसार विभिन्न कार्यक्रमों में आव यकतानुसार संचालन किया जा रहा है।

y{;

समुदाय की आव यकताओं एव सहभागिता के आधार पर उपयुक्त तकनीकि के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग एवं प्रबन्धन कर उनके जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाना।

mnn ;

समुदाय आधारित संगठनों, पंचायतों एवं स्वयं सहायता समूहों को प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन हेतु क्षमता विकास कर, उनकी कार्ययोजना के आधार पर कार्यक्रमों को संचालित करने हेतु प्रेरित करना।

- पारम्परिक जल स्रोतो का संरक्षण करने हेतु ग्रामीण समुदायों को प्रेरित करना।
- पेयजल की समस्या के समाधान के लिए उपयुक्त तकनीकी के कार्यक्रम को अपनाना।
- ग्रामीण क्षेत्रों के जल स्रोतो को स्वच्छ रखने हेतु जल गुणवत्ता की जॉच कर स्वच्छ जल पीने हेतु ग्रामीण समुदायों को जागरुक करना।
- जल स्रोतों को दूषित होने से बचाने के लिए पर्यावरणीय स्वच्छता के अन्तर्गत शौचालय निर्माण करने हेतु समुदाय को प्रेरित करना।
- बायोगैस निर्माण के प्रचार से ग्रामीण समुदाय को वैकल्पिक उर्जा का साधन उपलब्ध कर जंगलों पर बढ़ते दबाव को कम करना, एंव जलवायु परिर्वतन/ग्लोबल वौर्मींग में मिथेन गैस के प्रभाव को कम करना।
- जल स्रोतों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए बरसाती पानी संग्रहण टैंक की तकनीकि से समुदाय को प्रेरित करना।
- जंगलों के अनुचित दोहन एवं प्रबन्धन से पर्यावरण एवं जीवन स्तर पर पड़ रहें दुष्प्रभावों के प्रति लोगो को जागरूक करके गधेरा बचाओं अभियान का संचालन कर जैव विविधता संरक्षण कार्यक्रमों को क्रियान्वयन करना ।
- उत्तराखण्ड के पर्वतीय ग्रामीण क्षेत्रों में कारीगरी/दस्तकारी के माध्यम से स्थानीय नवयुवकों के कौ ाल में वृद्धि कर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना।
- उपयुक्त तकनीकी के प्रचार प्रसार से सरकारी नीतियों में बदलाव लाने हेतु प्रयास करना।

lkenkf;d lxBu

ग्रासरुटस संस्था द्वारा *nlkn] dukMh] [kjk] iukb]ekyxkM ,o fjldu* गधेरों में *x/kjk cpkvk vfHk;ku* का विस्तृत रूप से संचालन किया जा रहा है। इस अभियान के क्रियान्वयन करने का दायित्व समुदाय द्वारा त्रिस्तरीय ढ़ाचे (स्वंय सहायता समूह, गधेरा बचाओ समिति, गधेरा बचाओ मंच,वन पंचायत,ग्राम पंचायत) के आधार पर किया जा रहा है। गधेरा बचाओ अभियान को सार्थक, व्यापक एंव निरन्तरता बनाये रखने के लिए, सूखते जल स्रोतों,नौलों,धारों ,गधेरो एंव नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए इस वर्ष भी *fo o ty fnol* का आयोजन किया गया, जिसमे लगभग 1500 लोगो ने प्रतिभाग किया। इन्ही कार्यरत ग्रामस्तरीय संगठनो की सहभागिता एवं ग्रासरुटस संस्था के साथ मिलकर गगास जलागम में वैकल्पिक तकनीकी के कार्यक्रमों के रख रखाव ,जल संवर्धन एवं संरक्षण कुमाऊँ कारीगर समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा सुनिश्चित करायी जा रही है।

i;ty

पर्वतीय क्षेत्रों में वनों के दोहन एवं अनुचित प्रबन्धन से पारम्परिक जल स्रोत, नौलों एंव धारों के सूख जाने से ग्रामीण समुदायों की पेयजल की समस्या दिन प्रतिदिन विकट होती जा रही हैं। इस समस्या को कम करने के लिए कुमाऊँ कारीगर समिति द्वारा रिसावदार कुएँ/हैन्डपम्प का निर्माण एक विकल्प के रूप में किया जा रहा है। विगत वर्षो की भॉती वित्तीय वर्ष में कुमाऊँ एवं गढ़वाल के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में 34 रिसावदार कुऑ/हैण्डपम्पों का निर्माण उत्तराखण्ड जल संस्थान के सहयोग से किया गया। इसके साथ ही ग्रासरूटस के वित्तीय सहयोग से गगास जलागम में भी 13 रिसावदार कुओं का निर्माण किया गया है। समीक्षा वर्ष के दौरान कुल 47 रिसावदार कुओं का निर्माण किया गया। इन रिसावदार कुओं के निर्माण से 985 परिवारों की लगभग 5417 जनसंख्या को पीने के लिए स्वच्छ जल प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम के द्वारा ग्रामीण महिलाओं का पानी लाने पर लगने वाले समय की बचत के साथ–साथ स्वच्छ पानी की उपलब्धता में भी वृद्धि हुई हैं, जिससे परिवार के स्वास्थ पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

x<oky e.My						
क्रम सं0	जिले	डिवीजन	विकास खण्ड	सर्वेक्षणग्राम की संख्या	संभावित ग्राम	कार्य पूर्ण ग्राम
1	टिहरी	टिहरी	03	06	05	03
2	पौड़ी	पौड़ी	04	05	05	04
3	पौड़ी	कोटद्वार	03	07	03	01
4	रूद्रप्रयाग	रूद्रप्रयाग	02	20	18	12
5	चमोली	चमोली	02	06	05	00
6	उत्तरकाशी	उत्तरका ी	3	04	02	00
7	देहरादून	देहरादून	1	1	01	00
dy			*18*	*49*	*39*	*20*
dekÃ e.My						
1	अल्मोड़ा	अल्मोड़ा	03	03	01	00
2	अल्मोड़ा	रानीखेत	02	07	05	05
3	नैनीताल	नैनीताल	05	17	08	01
4	नैनीताल	रामनगर	00	00	00	00
5	बागेश्वर	बागेश्वर	02	12	08	06
6	चम्पावत	चम्पावत	02	05	05	02
		dy	*14*	*44*	*27*	*14*
गगास जलागम क्षेत्र						*11*
सहयोगी संस्था						*02*
egk;kx			*32*	*93*	*66*	*47*

भविष्य में हैन्डपम्पों के रख–रखाव हेतु प्रि ाक्षण पर्यावरण स्वच्छता एंव स्वास्थ सम्बन्धित जागरूकता कार्यक्रम भी चलाये गये तथा इनका जल स्तर बनाये रखने के लिए जल संवर्धन एंव सरंक्षण के कार्यो की भी लाभार्थीयों को जानकारी दी गई।

ty x|.koRrk tkp dk;Øe

विगत वर्षो की भांति समीक्षा वर्ष के दौरान भी जल गुणवत्ता जाँच का कार्य ग्रासरुटस के सहयोग से जारी रहा। चूँकि संस्था मुख्य रूप से पेयजल एवं स्वच्छता का कार्य कर रही हैं एतएंव अपने कार्यक्षेत्र के जल स्रोतो एवं रिसावदार कूओं का प्रतिवर्ष दो बार जल गुणवत्ता जाँच कार्य किया गया हैं। इस वित्तीय वर्ष में 81 गांवों के 832 नमूनों के जल गुणवत्ता की जाँच की गयी ,जिसमें लगभग 35 प्रति ात जल स्रोत पीने योग्य नही पाये गये, इनका समय–समय पर सम्बन्धित समुदाय को इसके परिणाम के बारे में अवगत एवं जागरुक कराया गया।

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा संचालित *jk"Vªh; xzkeh.k i;Z ty x|.koRrk vuqJo.k ,o fuxjkuh dk;Øe* के अर्न्तगत स्वजल परियोजना अल्मोड़ा के सहयोग से, ग्रासरुटस के साथ मिलकर जल का महत्व, संरक्षण, दूषित जल से होने वाली बिमारियॉ एंव उनकी रोकथाम,तथा जल गुणवत्ता जॉच के प्रि ाक्षण के लिए विकास खण्ड साल्दे,सल्ट एवं लमगड़ा की 334 पंचायतों के 1555 प्रतिनिधियो को दो दिवसीय प्रि ाक्षण दिया गया, एंव प्रि ाक्षण के दौरान 1050 नमूनों की गुणवत्ता की जॉच की गई।

i;kZoj.kh; LoPNrk

पेयजल की गुणवत्ता एवं पर्यावरणीय स्वच्छता को बनाये रखने के लिए ग्रामीण समुदायों को भौचालय निर्माण हेतु प्रेरित किया जा रहा हैं। इसी क्रम में कुमाँऊ कारीगर समिति के कु ाल कारीगरों द्वारा ग्रासरुटस से गठबन्धन कर गॉवों में प्रि ाक्षण कार्यक्रम चला कर समुदाय को दो गढ्ढों के सोख्ता पिट वाले जलबन्द भौचालयों का निर्माण करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। प्रति शौचालय की कुल लागत का 75 प्रति ात लाभार्थी का अं ादान रहता हैं। इस समीक्षा वर्ष के दौरान समिति के द्वारा 350 शौचालयों का निर्माण किया गया।

ग्रासरुटस संस्था के सहयोग से गगास जलागम के अर्तगत निर्मल गधेरा बनाने का प्रयास जारी है, जिसमें 6 पंचायतो को निर्मल ग्राम हेतु जिला प्रवंधन इकाई (स्वजल) अल्मोड़ा भेजा गया है, एवं कई पंचायतो के माध्यम से निर्मल ग्राम घोषित करने का भी प्रयास निरन्तर जारी है।

oSdfYid Åtk

ग्रामीण समुदायों के लिए ईधन हेतु लकडी एंव अन्य संसाधन की उपलब्धता एक समस्या का रूप धारण कर चुकी हैं। जंगलों के संकुचन के कारण महिलाओं और बच्चों को लकड़ी लाने के लिए काफी दूर तक जाना पड़ता हैं, जिससे उनका कार्यभार सोचनीय स्तर पर पहुँच गया हैं ।

दूसरी ओर ईधन हेतु अन्य विकल्पों के कमी से जंगलो पर दबाव भी बढ़ता जा रहा हैं और इस समस्या को मद्देनजर रखते कुमाँऊ कारीगर समिति ने बायोगैस को एक वैकल्पिक उर्जा के रूप में उपयोगी पाया हैं। इस विकल्प से महिलाओं के कार्य बोझ में कमी के साथ-साथ धुएं से होने वाली बिमारियों में भी अंकु ा लगा है।

समीक्षा वर्ष में ईधन की समस्या के समाधान हेतु 180 बायोगैस संयंत्रो का निर्माण कुमाऊँ कारीगर समिति के कु ाल कारीगरों द्वारा किया गया। प्रति बायोगैस की कुल औसत लागत रू. 18,000 है, जिसमे से लाभार्थी परिवार का अंशदान 50 प्रति ात है तथा लागत का 50 प्रति ात उत्तराखण्ड सरकार द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। बायोगैस संयत्र के रख–रखाव हेतु कुमाँऊ कारीगर समिति एंव सहयोगी संस्थाओं के कार्यक्षेत्र में समय-समय पर कार्य ाला आयोजित की गई है।

पर्यावरण की द्वष्टि से पूरे वि व में आज जो ग्लोबल वार्मिग (जलवायु परिर्वतन) की चिन्ता हर मंच में उठाई जा रही है, इस परिर्वतन में मिथेन गैस सबसे अधिक मात्रा में होना एक खतरा बनते जा रहा है। बायोगैस में इसी गैस को ईधन के रूप मे प्रयोग किया जाता है। यदि इस कार्यक्रम को बढ़वा मिलता है तो यह छोटा सा कदम इस ग्लोबल वार्मिग के एक कारक को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा। इस समस्या को मद्देनजर रखते हुये कुमाऊँ कारीगर समिति भविष्य में भी इस कार्यक्रम को बृहद रूप में फैलाने का प्रयास करती रहेगी।

,o"k d nkjku odfYid rduhfd l ykHkkfUor lenk;@ifjokj

Øe l-	ftyk	Cykd	fjlkonkj dvk	ck;kxl	'kkpky;
1	अल्मोड़ा	द्वाराहाट	02	47	243
		ताड़ीखेत			87
		चौखुटिया	03	06	00
		भिकियासैन		02	
		भैंसियाछाना		03	
		लमगडा		05	
		हवालबाग			17
		ताकुला		07	01
2	नैनीताल	बेतालघाट	01	00	
		भीमताल		09	
		रामनगर		25	
		रामगड़			02
3	बागेश्वर	गरूड़	05	00	
		बागे वर	01	02	
4	पिथौरागढ	गंगोलीहाट		09	
		बैरीनाग		01	
4	चम्पावत	चम्पावत	02		
5	टिहरी गढ़वाल	जेनपुर	02		
		भिलंगना	01		
6	पौड़ी	वीरोखाल	01		
		थलीसैण	01		
		पोखड़ा	02		
7	पौड़ी (कोटद्वार)	द्वारीखाल	01		
8	रूद्रप्रयाग	जखोली	05		
		अगस्तमुनी	07		
9	देहरादून	विकासनगर		28	
		सहसपुर		36	
10	गगास जलागम में	द्वाराहाट	11		
11	सहयोगी संस्था	जाखणीधार	02		
	ftyk 09	Cykd&27	47	180	350

समीक्षा वर्ष के दौरान कुल बनाये गये 180 वायोगैस संयत्रो का निर्माण उरेड़ा (120), के0वी0आइ0सी0 (13), ग्रासरूटस (25) तथा (22) विकास खण्डों के वित्तीय सहयोग से निर्मित किये गये।

Lkg;kxh lLFkkvk }kjk mi;Dr rduhfd dk iapkj ,o iklkj

कुमाऊँ कारीगर समिति द्वारा उपयुक्त तकनीकी का प्रचार ,प्रसार एवं रख रखाव हेतु कुमाऊँ एवं गढ़वाल में 15 सहयोगी संस्थाओं के साथ मिलकर पिछले छः वर्षो में वैकल्पिक तकनीक के कार्यक्रम चलाये जा चुके हैं। समीक्षा वर्ष के दौरान तीन सहयोगी संस्थाओं राइज,विम र्ा एवं डीड्स के साथ इस तकनिकी का प्रचार प्रसार किया गया। कुमाऊँ कारीगर समिति द्वारा इनके रख– रखाव पर ज्यादा ध्यान दिया गया है। विशे ाकर बायोगैस संयत्र को क्रिया ील रखना एक चुनौती भरा कार्य है। अपने वरिष्ठ कारीगरों को सहयोगी संस्थाओं में भेजकर लाभर्थीयों का यूजर कार्य ाला आयोजित की गई, जिसमे लगभग 509 घरों में जाकर गोबर गैस के रख–रखाव के सर्वेक्षण का कार्य किया गया। सर्वेक्षण में लगभग 95 प्रति ात संयत्र पूर्णतः क्रिया ील थे।

{kerk fodkl dk;Øe

ग्रामीण नवयुवको को वैकल्पिक तकनीकि में प्रि ाक्षण देकर उन्हें एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में तैयार करना कुमाऊँ कारीगर समिति का एक मुख्य उद्दे य हैं, जिसके फलस्वरूप वर्तमान में 38 कारीगरों का यह समूह कार्यरत है। यह समूह विभिन्न हुनर के आधार पर एक कारीगरी श्रेणी के रूप में गठित है। कुमाऊँ कारीगर समिति में बहुत से कारीगर है जिन्होने अपनी जिन्दगी की शुरूआत एक प्रि ाक्षणार्थी के रूप में की थी, आज उनके पास हाथ का एक हुनर है जिससे वे अपनी अच्छी आजीविका चला रहें है। समिति द्वारा पिछले 8–9 वर्षो में 22 आजीवन सदस्य प्रि ाक्षित होकर अपने दूसरे कार्यो में जुड गये एवं इस प्रकार लगभग 150 नवयुवक प्रि ाक्षण लेकर आज अपना रोजगार कर अपने पैंरो पर खडें हो चुके है। वर्तमान में निम्न सदस्य अपने विभिन्न कार्यक्षेत्र के आधार पर कार्यरत है।

इसी क्रम में समय–समय पर क्षमता विकास हेतु प्रि ाक्षण ि ाविरों का भी आयोजन किया गया जिनमें समिति के सभी सदस्यों ने भाग लेकर काफी अच्छे अनुभव प्राप्त किये।

समीक्षा वर्ष के दौरान प्रि ाक्षण कार्यक्रमों की तालिका निम्नवत है :

fnukad	fo"k;	LFkku@ vk;kstd	ifrHkkxh l0
01 अप्रेल 2010	जल विज्ञान कार्य ाला	कालिका	05
26 अप्रेल 30 अप्रेल 2010	जल विज्ञान हेतू कार्य ाला	कालिका	04
01 जून 2010	रिसावदार कुऑ हेतू बैठक	कालिका	15
07 जून 2010	बायोगैस टीम कार्य ाला	कालिका	15
26 जून 2010	बायोगैस टीम कार्य ाला	कालिका	10
15–16 सितम्बर 2010	कुमॉऊ कारीगर समिति ए0जी0 बी0एम0	कालिका	40
04से 08 अक्टूवर 2010	कॉमिक्स	कालिका	5
18 से 20 अक्टूवर 2010	जल गुणवत्ता कार्य ाला	कालिका	5
22 अक्टूबर 2010	रिसावदार कुऑ हेतू बैठक	कालिका	12
01 दिसम्बर 2010	प्रंबधन समिति	कालिका	10

05 जनवरी 2011	गोबर गैस एवं रिसावदार कुऑ कार्य ाला	कालिका	16
14 मार्च 2011	बायोगैस टीम कार्य ाला	मनकंठपुर	75

lLFkkxr ,o foRrh; icU/ku

समीक्षा वर्ष के दौरान कुमाऊँ कारीगर समिति को वैकल्पिक तकनीकि के प्रचार प्रसार , जल संवर्धन कार्यक्रम एवं संस्थागत क्षमता की वृद्धि का अवसर एवं चुनौती – ग्रासरुटस एंव उत्तराखण्ड़ सरकार के वित्तीय सहयोग से प्राप्त हुआ।

vkHkkj

समिति वित्तीय संस्था उत्तराखण्ड शासन, ग्रासरूटस, महिला उमंग समिति, सहयोगी संस्थायें, दुसाद गधेरा बचाओ मंच, गधेरा बचाओ समितियॉ, महिला संगठनों, मित्रों, सभी सदस्यों, आडिटर दीपक घनसानी एण्ड एसोसीऐटस तथा समस्त क्षेत्रीय जनता का आभार प्रकट करती हैं, जिनका अमूल्य सहयोग एवं मार्ग द ान हमें निरंतर आगे बढ़ने एवं कार्य करने की प्रेरणा देता हैं।

lfefr ixfr fjikV lfpr e

dze-l	dk;Øe	2010&11	vkt rd
1	पेयजल रिसावदार कुऍ (कुमॉऊ कारीगर समिति) पेयजल रिसावदार कुऍ (उ0ज0स0) कुल निर्मित रिसावदार कुऍ • लाभार्थी परिवार • लाभार्थी जनसंख्या	13 34 47 985 5565	275 127 402 8,795 48,520
2	शौचालय (लाभान्वित परिवार)	350	2062
3	बायोगैस संयंत्र (लाभान्वित परिवार)	180	1192
4	बरसाती जल संग्रहण टैंक • लाभान्वित परिवार	38	298
5	सहयोगी संस्थाऐं	3	15

lkenkf;d fodkl dk;Øeka e fd;s x;s 0;; dk fooj.k

v- mi;Dr rduhfd dk;Øe

Øe- l-	dk;Øe	[kp fooj.k ¼:- yk[k e½
1	पेयजल	22.85
dqy		22-85
c- iz kklfud		
1	कार्यालय किराया,टेलीफोन, स्टे ानरी इन् ोरेन्स,ओडिट	0.45
2	यात्रा व्यय	0.13
	dqy	0-58
dqy ;kx ¼v$c½		23-43

izcU/k dkfj.kh lfefr

1. श्री जीवन सिंह अध्यक्ष चोपड़ा , नैनीताल
2. श्री हरी ा सिंह विष्ट सचिव देवलीखेत ,अल्मोड़ा
3. श्री आन्नद सिंह कोषाध्यक्ष नैनी , अल्मोड़ा
4. श्री राम सिंह सदस्य देवलीखेत ,अल्मोड़ा
5. श्री गोपाल राम –1 सदस्य कूल , नैनीताल
6. श्री विजय सिंह सदस्य सिरसा , नैनीताल
7. श्री चन्दन आर्या सदस्य मोना, अल्मोड़ा
8. श्री विरेद्र कुमार सदस्य दमतौला, अल्मोड़ा
9. श्री प्रका ा चन्द्र सदस्य कूल , नैनीताल
10. श्री जगदी ा चन्द्र सदस्य दमतौला, अल्मोड़ा
11. श्री गोपाल राम –2 सदस्य सिरसा , नैनीताल

J}kjfy

बडे दुख के साथ अवगत कराया जा रहा है कि कुमाऊँ करीगर समिति के संस्थापक एवं प्रेरणा श्रोत श्री पूरन राम जी (जिनकी सोच एवं अथक प्रयास से कुमाऊँ कारीगर समिति का गठन किया गया) का दिनॉक 07/08/2010 को आकसमिक निधन हो गया, संस्था उनके बताये मार्गो एवं दि ा में बढने का प्रयास करेगी, इस रिर्पोट के माध्यम से समस्त कुमाऊँ कारीगर समिति के कार्यकर्ता उन्हे

श्रृद्धांजलि अर्पित करते है।

d|ekÅ| dkjhxj lfefr

vkthou lnL;

Øe- l	lnL;k d| uke	xko	ftyk
1	पूरन राम	चोपड़ा	नैनीताल
2	जीवन सिंह	चोपड़ा	"
3	मोहन राम	चोपड़ा	"
4	किशन चन्द्र	चोपड़ा	"
5	नन्द किशोर	चोपड़ा	"
6	गोपाल राम – 1	चोपड़ा	"
7	कैलाश चन्द्र	चोपड़ा	"
8	प्रकाश चन्द्र	चोपड़ा	"
9	मोहन चन्द्र	चोपड़ा	
10	गोपाल राम – 2	सिरसा	"
11	विजय सिंह	सिरसा	"
12	सुरेश लाल	सिरसा	"
13	रमेश चन्द्र	सिरसा	"
14	रमेश चन्द्र दानी	सिरसा	"
15	गोपाल राम – 2	सिरसा	"
16	पनी राम	कूल	"
17	महेश चन्द्र	कूल	"
18	खीमा नन्द	कूल	"
19	दिनेश चन्द्र	कूल	"
20	डिगर राम	कूल	"
21	सोबन सिंह	जाजर	"
22	प्रमोद कुमार – 2	छतोला	"
23	जगदीश भण्डारी	नैनीताल	
24	महेन्द्र सिंह	मलौना	अल्मोड़ा
25	चन्द्रन राम – 1	मौना	"
26	राजेन्द्र कुमार	डोबा	"
27	पान सिंह	दमतोला	"
28	विरेन्द्र कुमार	"	"

29	जगदीश चन्द्र	"	"
30	आनन्द राम	"	"
31	खीमा नन्द	"	"
32	राम सिंह	दुभना	अल्मोडा
33	बी0 पी0 सिंह	कालिका	नैनीताल
34	दिने ा चन्द्र	सल्टना	अल्मोडा
35	पवन कुमार	देहरादून	देहरादून
36	राजेन्द्र सिह	देहरादून	देहरादून
37	नवीन चन्द्र उपाध्याय	सौनी	अल्मोडा
38	ललित रावत	दुभना	अल्मोडा
39	मुके ा कुमार	मल्ला नौगॉव	"
40	भुपाल राम	"	"
41	भुवन सिह रावत	दुभना	अल्मोडा
42	राम सिंह	मनचोडा	"
43	घनभयाम	बदया	"
44	उमे ा	"	"
45	हीरा सिंह	खुडोली	नैनीताल
46	दया नन्द	चौपडा	नैनीताल
47	कमल कुमार	छतोला	नैनीताल
48	योगे ा चन्द्र जो ी	चोपड़ा	
49	शंकर राम	गिनाई	"
50	महेन्द्र सिंह	बोहरागॉव	"
51	अर्जन शाह	रानीखेत	"
52	कल्याण पौल	कालिका	"
53	सुनीता क यप	कालिका	"

lkenkf;d fodkl dk;Øek e fd;s x;s 0;; dk fooj.k

v- mi;Dr rduhfd dk;Øe

Øe- l-	dk;Øe	[kp fooj.k ¼:- yk[k e½
1	पेयजल	22.85
dqy		22-85
c- iz kklfud		
1	कार्यालय किराया,टेलीफोन, स्टे ानरी इन् ोरेन्स,ओडिट	0.45
2	यात्रा व्यय	0.13
	dqy	0-58
dqy ;kx ¼v$c½		23-43

J}katfy

बडे दुख के साथ अवगत कराया जा रहा है कि कुमाऊँ करीगर समिति के संस्थापक एवं प्रेरणा श्रोत श्री पूरन राम जी (जिनकी सोच एवं अथक प्रयास से कुमाऊँ कारीगर समिति का गठन किया गया) का दिनॉक 07/08/2010 को आकसमिक निधन हो गया, संस्था उनके बताये मार्गो एवं दि ा में बढने का प्रयास करेगी, इस रिर्पोट के माध्यम से समस्त कुमाऊँ कारीगर समिति के कार्यकर्ता उन्हे श्रृद्वांजलि अर्पित करते है।